विश्व न्याय मन्दिर

10 जनवरी 2010

प्रभुधर्म की जन्मस्थली के अनुयायियों को

परमप्रिय मित्रगण,

जैसे-जैसे यारान के पूर्व सदस्यों पर चलाये जा रहे मुकदमें की सुनवाई की तारीख नजदीक आती जा रही है वैसे-वैसे पिछले कुछ दिनों के दौरान कुछ पदाधिकारियों ने यह वक्तव्य देना शुरू कर दिया है कि 3 जनवरी 2010 को कैद किये गये बहाई समुदाय के दस सदस्यों को कैद करने का कारण उनकी बहाई समुदाय की सदस्यता नहीं बल्कि 'अशूरा' के दिन विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने की वजह से उन्हें कैद किया गया है। ईरान का जन-सामान्य और सच कहा जाये तो दुनिया के लोग और विभिन्न देशों के समुदाय बहाई धर्म के सिद्धांतों से परिचित हैं, इसके अनुयायियों के आचरण-व्यवहार को जानते हैं और इसके विकास के इतिहास के साक्षी हैं; वे अच्छी तरह जानते हैं कि ऐसे दावे खोखले हैं। सभी न्यायप्रिय लोग इस बात की गवाही देंगे कि बहाई, जहाँ कहीं भी वे रहते हैं, अपने सहयोगियों से कंधे-से-कंधा मिलाकर अपने देश की प्रगति और समृद्धि के लिये मेहनत के साथ काम करते हैं। बहाई अपने अधिकारों के ढाँचे से और साथ ही दूसरों के अधिकारों के लिये उपलब्ध कानून पर भरोसा करते हैं। वे सत्यवादिता और ईमानदारी जैसे गुणों को धारण करने की कामना करते हैं। वे हिंसा और संघर्ष से दूर रहते हैं, फिर भी यह कितना दुःखदायी है कि जिनकी अन्तर्दृष्टि धार्मिक पूर्वाग्रह के कारण धुंधली हो गई है उन्होंने गलत आरोप लगाने की साजिश रची है ताकि वे ईरान के लोगों के सामने आपके प्रति किये गये अत्याचारों के लिये अपनी दलीलें देते हैं। वे शायद इस बात से अनभिज्ञ हैं कि ऐसी कार्रवाई अत्याचारियों की साख को ही कलंकित कर देती है। हमें यह जानकर इत्मीनान हुआ है कि आप दिव्य शक्तियों के काम करने के प्रति सजग हैं। आप यह महसूस करते हैं कि सभी चीजों की डोर उस सर्वशक्तिशाली की पकड़ में है। अपनी इस समझ से उत्पन्न उन आध्यात्मिक शक्तियों का आह्वान आप दुश्मनी और अत्याचार से ऊपर उठने के लिये करें। आपने अटल और दृढ़ रहकर अपनी बुद्धिमत्ता के लिये दुनिया की प्रशंसा पाई है और अपने कर्तव्य को निबाहा है। आपमें से प्रत्येक के लिये हमारे दिलों में अपार प्रेम और प्रशंसा के शब्द उफनते

हैं। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह आपको सुरक्षा प्रदान करें और प्रभुधर्म के हित में काम करने में आपकी सहायता करें ताकि आप अपने देशवासियों की सेवा करते रहें।

हस्ताक्षरित-विश्व न्याय मन्दिर